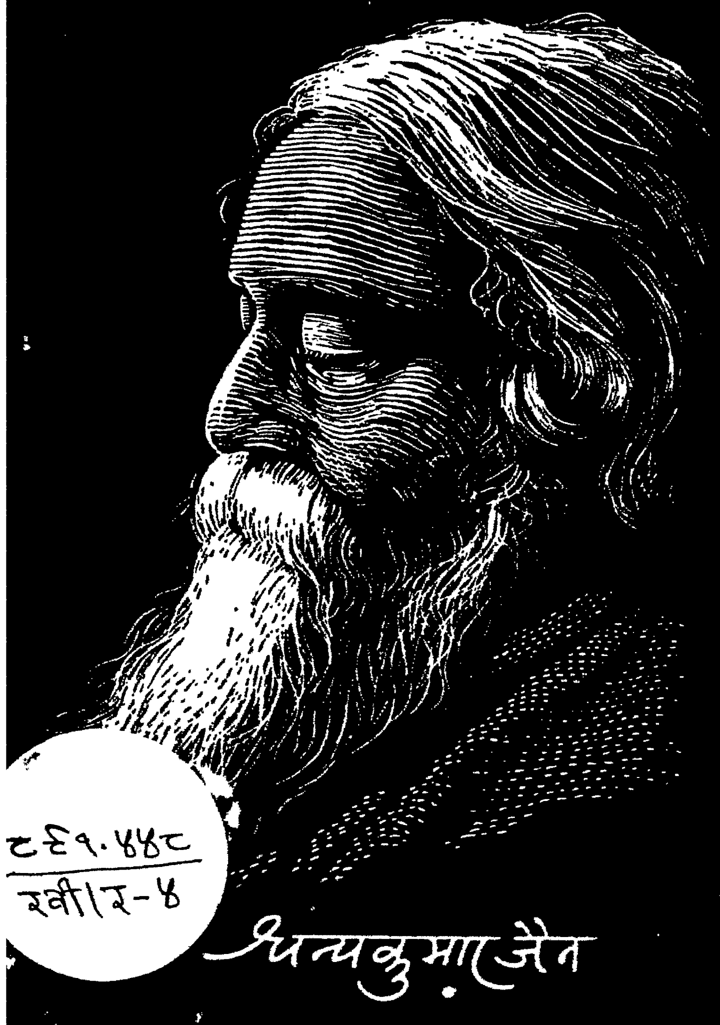
रवीन्द्र-साहित्य



धन्यकुमार जैन